अंक – चौदह Volume-14

E-Gyan

Monthly Digital News Letter of Maharishi Organizations - India

महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

महर्षि संवत्सर – ५५ विक्रम संवत्सर – २०६७ श्रावण कृष्ण पक्ष 12, शनिवार 7, अगस्त २०१०

• E-mail - egyan@mahaemail.com and egyanmonthly@gmail.com • Web site - www.e-gyan.net

7 August 2010, Saturday

श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव २०१०

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह गुरुपूर्णिमा (२५ जुलाई, २०१०) के अवसर पर भारत के ब्रह्मस्थान, करौंदी में सम्पन्न

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह गरिमामय वातावरण में गुरुपूर्णिमा (25 जुलाई 2010) के अवसर पर भारत के ब्रह्मस्थान, जिला कटनी के ग्राम करौंदी में वैदिक रीति रिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह में छात्रों को महर्षि परम्परा के अनुसार दीक्षा दी गई। दीक्षांत समारोह में भारतीय परम्परा के अनुसार छात्र धोती–कुर्ता में तथा छात्राएं साड़ी पहनकर शामिल हुईं।

समारोह के अध्यक्ष विश्वविद्यालय कुलाधिपति ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश चन्द्र वर्मा ने विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास, पूज्य गुरुदेव एवं महर्षि महेश योगी जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश चन्द्र वर्मा जी ने कहा कि गुरुदेव जी ने सुपात्रों को ढूंढ़कर यूं गढ़ दिया कि आज समूचा विश्व उनके वैदिक ज्ञान के आगे नतमस्तक हो चुका है। 100 से भी अधिक देशों में भारतीय सनातन परम्परा का परचम फहरा चुके महर्षि जी ने ज्ञान विज्ञान के सिद्धांतों का लगातार 50 वर्षो तक सतत प्रयोग किया। यह उन्हीं की कृपा का परिणाम है कि आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भारत के ब्रह्मस्थान में महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय अपना पहला दीक्षांत समारोह मना रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय कुलाधिपति, डॉ. गिरीश चन्द्र वर्मा ने कहा कि छात्र सत्य, धर्म, न्याय, सत्यकर्म का पालन करते हुए जीवन को सार्थक करें। उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ देवताओं की अनुभूति होती है, जबकि गुरु प्रत्यक्ष रूप में विद्यमान हैं। जो भी व्यक्ति गुरु के चरणों में रहकर सेवा करता है, उसे प्रत्यक्ष फल की प्राप्ति होती है। गुरु का आशीर्वाद परम शक्ति है।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत

समारोह में मुख्य अतिथि, माननीय विधानसभा अध्यक्ष, श्री ईश्वरदास रोहाणी, विशिष्ट अतिथि पशुपालन, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री अजय विश्नोई, पूर्व राज्य मंत्री श्री मोती कश्यप, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री मध्य प्रदेश शासन श्री मुकेश नायक, कुलपति महर्षि महेश योगी विश्वविद्यालय श्री भुवनेश शर्मा, महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के राजा डॉ. हैरिस केपलान, महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के सुरक्षा मंत्री मेजर जरनल कुलवन्त सिंह आदि अनेक विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि श्री रोहाणी जी ने कहा "महर्षि जी के विश्वशांति अभियान की विराट सफलता के आगे मैं अभिभूत हूँ। महर्षि महेश योगी जी ने तपस्या और साधना के बल पर भारतीय संस्कृति को विश्व में स्थापित किया है। उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की मदद से नई पीढ़ी को भी वैदिक शिक्षा प्रदान की जा रही है। एक सच्चे गुरु का जो कर्तव्य होता है महर्षि जी ने उसे पूरा कर दिया, अब उनके शिष्यों ने भी महर्षि की साधना स्थली में जो भी ज्ञान प्राप्त किया है, उसे जन जन तक पहुंचाएं तभी गुरु ऋण से मुक्ति मिलेगी। उक्त उद्‌गार विधानसभा अध्यक्ष ईश्वरदास रोहाणी जी ने महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

इस अवसर पर एक 'स्मारिका' का विमोचन माननीय मुख्य अतिथि, श्री ईश्वरदास रोहाणी जी, विधानसभा अध्यक्ष, मध्यप्रदेश एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने किया।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुल सचिव, श्री प्यारेलाल कदलबाजू को 'विश्वविद्यालय में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिये' विद्यावारिधि' (डाक्टर ऑफ फिलासफी) की मानद उपाधि से सम्मानित किया।

समारोह में 2004 से 2009 तक की परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 29 छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किया गये – **स्थापत्य वेद शास्त्री** में अतुल कुमार सक्सेना, गनेश कुमार समरित, हेमराज चौहान, **स्थापत्य वेद आचार्य** में रश्मि पाण्डेय, हुताशन चंद मौदेकर, लक्ष्मी नारायण सोनी, देवेन्द्र कुमार शर्मा, **ज्योतिष आचार्य** में अंजना कुमारी, वंदना कसार, अखिलेश कुमार शर्मा, **योग आचार्य** में अजय सिंह कुशवाहा, दिशा अग्रवाल, रूचि गोंटिया, सरोज स्वर्णकार, **गंधर्ववेद आचार्य** में त्रिलोचन कौर, **पूर्व माध्यमा** में अजय कुमार पाण्डेय, **उत्तर मध्यमा** में कविराज शुक्ला, कांती साहू, हंसराज लखेरा, **बैचलर ऑफ एजुकेशन** में प्रीति मिश्रा, अदिति गायकवाड़, शिखा गुप्ता, **योग शास्त्री** में नारायण गीर गौसाई, **बैचलर ऑफ बिजनेश एडमिनिस्ट्रेशन** में सुमीत कुमार पाण्डेय, शिवा पाण्डे, **बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन** में विजेता पड़रहा, परवेश कटियार, जितेन्द्र परिहार, **बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन** में अंशुल खत्री को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

वर्ष 2000 से 2009 तक वेद विज्ञान संकाय के अंतर्गत 39 विद्यार्थियों को **विद्या वारिधि (डाक्टर ऑफ फिलासफी)** प्रदान की गई। विद्या वारिधि (डाक्टर ऑफ फिलासफी) की उपाधि प्राप्त करने वाले शोध कर्ताओं के नाम हैं – अचर्ना वर्मा, शर्मिला गुप्ता, शालिनी दुबे, मृदुला वर्मा, वंदना गुप्ता, शालिनी पाण्डेय, अपर्णा झा, लेखा साहू, रामशरण चौकसे, सपना सोनी, ऋतु कौशल, रेखा अग्रवाल, माया गुप्ता, रामानन्द यादव, हरजीत कौर, नीता पाण्डेय, रूपेन्द्र कुमार वर्मा, सुशांत बोस, रश्मि गुप्ता, प्रतीक चौबे, मीरा अग्निहोत्रि, रश्मि जैन, अभिलाषा मुखर्जी, वैशाली व्यौहार, ऋतु यादव, निकेतन आनंद गौड़, तृप्ति ओम कछवाह, आरती साहाने, संजय कुमार सिंह, निर्मल कुमार पाण्डेय, सुनीता गौड़, संध्या शुक्ला, सात्वंना साहू, आरती गोस्वामी, भारती कौशिक, अभिलाषा शुक्ला, अर्चना चावरे, अशोक कुमार कौशिक, अर्चित तिवारी शामिल हैं।

शिक्षकों का सम्मान

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर स्कूल समूह के 6 शिक्षकों को शिक्षा एवं कला में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये सम्मानित किया गया – वंदना राय, अरविंद त्रिपाठी, भास्कर विजय गुप्ता, किशोर डे, अनीता सक्सेना एवं अजय शर्मा को सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह के बाद अपरान्ह 3 बजे शास्त्रीस गायन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्वालियर घराने की मशहूर गायिका, मीता पंडित ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उनके साथ पंडित भारत भूषण गोस्वामी सारंगी, पंडित मनमोहन नायक पखावज, पंडित शैलेन्द्र मिश्र तबला एवं अनुराधा अगस्ती ने तानपुरा पर संगत की। मीता पंडित ने सुरमयी आवाज में गुरु महिमा और भजन गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समारोह का समापन शैक्षणिक शोभायात्रा के प्रस्थान के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रतिभोज भी आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुल सचिव अरविंद सिहं राजपूत ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

PHOTO GALLERY GURU PURNIMA MAHOTSAV

Tribute to His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji on the auspicious occasion of Shri Guru Purnima 2010

Shri Pyarelal Kadalbaju
Ex. Registrar Maharishi Mahesh Yogi Vedi University

Respected Girish Ji,

I thank you for all what you are doing for me. I have actually transformed my life and inspite of being just like my son; I am still learning the governance part in an organisation.

We are ever grateful to His Holiness Maharishi Ji for his blessings and the supreme knowledge he has given which is radiating perfection of life for the whole world. He has in fact liberated us and made us free. Maharishi Ji has brought the divine light of Guru Dev to the whole world.

I was in fact blessed and immeasurably fortunate to have found myself listening to the wisdom flowing from His Holiness Maharishi Ji. It was always an elevating experience to be listening to him and I have had that opportunity in person to do so for some of the fortunate years of my life. As someone said that there was none like him and none shall ever be again. He remains unparalleled.[1] thanks Maharishi Ji for all the benefits you brought to my life and talking to me. You are responsible for making meditation household, Vedic Culture and India's great and vast spiritual wisdom worldwide. You have made meditation and higher knowledge/ understanding of life accessible to the whole world.

I thank you for conferring the doctor of philosophy (*honoris causa*) which is conferred as a way of honoring a visitor's contributions to a specific field, or to society in general. I am sure that this is the result of my serving His Holiness Maharishi Ji for the last 16 years and feel so fortunate that I always had his blessings. This was in fact possible for two reasons.

1. There was no shortage of resources for learning and growing and

2. Your support at every level. Once I got into the grind I did not take time for introspection and got to specifics. I actually think that I have grown up with the strict discipline enforced in the organization. I got a truly global perspective and everything became important to me only here. There was never lack of consistency or plain old lethargy.

You have to live long enough to carry out the mantel and see the vision of HIS HOLINESS through you.

God Bless You.

"Jai guru dev", "Jai Maharishi"

Maharishi Vidya Mandir Schools Group

ACHIEVEMENTS OF MAHARISHI VIDYA MANDIR SCHOOLS

Academic Achievements - Academic Year 2009-2010

MVM DHAR

• महर्षि विद्या मंदिर, धार की छात्रा **कु. नित्या मोदी**, कक्षा 7 ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा वर्ष 2009–2010 में लिया जिसमें उन्होंने 93% अकों के साथ जिला स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

MVM ALIGARH (MAIN)

• महर्षि विद्या मंदिर (मुख्य) सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल आगरा रोड के छात्र पियूष वार्ष्णेय एवं सौरभ पाठक ने मेडिकल की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने विद्यालय की गरिमा को बढ़ाया।

ACHIEVEMENTS OF MVM STUDENTS IN SPORTS

MVM RAIPUR - 1

State Level Judo Championship 2010-11

The State Level Judo Championship was held at Chhattisgarh Agrawal Bhavan in Bhilai (Chhattisgarh) *from 12th July to 14th July 2010* .Our School Team participated under the guidance of Miss Shweta Yadav (Sports Teacher - MVM-I Raipur).& secured good Ranks.

Name	Class	Category	Medal
• Abhay Pandey	VIII	50 Kg	Gold
• Harshita Lalwani	V	50 Kg	Gold
• Masoom Agrawal	VIII	50 Kg	Silver
• Divya Dhruv	V	25 Kg	Bronze

MVM GUWAHATI - 4

• **Julie Baruah** got 1st Position in POOM Promotion Test by Kukkiwan highly honoured International test organized in Korea.

• **Julie Baruah** got Gold Medal in Tae-kwon-Do Competition organized in Margaon, Goa in 2009 -2010.

• **Julie Baruah** got Gold Medal in 26th State Tae-kwon-Do Championship 2009, oprganised by Assam Olympic Association.

• **Priyangshu Prabal Dutta**, got 1st position in butterfly stroke in CBSE East Zone Aquatic Meet 2009-2010.

• **Priyangku Baruah** got Gold Medal in 200 meter Boys Race and Silver Medal in 100 meter boys running race organised by CBSE North East Zone.

• **Nairita Sharma** got Silver Medal in 200 meter girls running race and Bronze in 100 meter girls running race organised by CBSE North East Zone.

• **Priyam Medhi** got Bronze in 200 meter girls running race organised by CBSE North East Zone.

• **Tridip Barman** got Gold in Shot-put and Discus Through organised by CBSE North East Zone.

• **Ambarnil Bharadwaj** got Bronze in Shot-Put Through organised by CBSE North East Zone.

• **Priyanku Baruah** • **Vikash Singh** • **Ambarnil Bharadwaj** • **Deepjyoti Sharma** got Gold in 400 meter boy's relay race organised by CBSE North East Zone.

MVM MAHARISHI NAGAR

INTER - HOUSE TABLE TENNIS TOURNAMENT (7th July 2010-9th July 2010)

Inter house Table Tennis Tournament of Boys and Girls in Senior and Junior category, which commenced on 7th July 2010, finally concluded with fanfare on 9th July 2010. The Sports room was also inaugurated by the Principal, Mr. B.S. Guleria on the same day. The Matches were played under the supervision of the Physical Training Instructor, **Mr. Praveen Sharma**. The spectators cheered with excitement as the Principal **Mr. B.S. Guleria played the opening shot to begin the final round matches.**

The Semi final match of boys in senior category was played between **Abhay Singh Class X, Vyas House and Adesh Bhardwaj Class X, Vashisht House. Rahul Class IX, Narayan House, Hitesh Bhardwaj Class XII, Narayan House** was the other semi-final match.

The final match between **Hitesh Bhardwaj XIIB Narayan House** and **Adesh Bhardwaj XC Vashisht House** was a closely contested match, which was won by **Hitesh Bhardwaj XIIB** of Narayan House. In the **senior category, Girls**, the final match was played between **Jagriti Joshi IXA Narayan House** and **Anupama IXA Parashar House**. The match went on till three rounds. The nail biting match was finally won by **Jagriti Joshi, Narayan House**.

A small Quiz on the ongoing FIFA World Cup Football matches was also conducted in between the intervals. The students of all the houses participated enthusiastically in the quiz and responded to the questions put up to the individual houses.

ACHIEVEMENTS OF MVM STUDENTS IN DIFFERENT COMPETITIVE EXAMS/ACTIVITIES

MVM RAIPUR - 1

Abhilash Biswas

• **Abhilash Biswas** of Class V Secured **3rd Position in MBD Talent Search Exam– 2010 (District Level).**

MVM DHARAMSHALA

• **Divyanesh Gour**, Class 12th selected in PUSA (Hotel Management) course All India Rank 36th.
• **Payal Katoch**, Class 12th selected in BSC Nursing (AIIMS) course All India Rank 30th.
• **Amita**, Class 12th selected in NIFT Engineering Course.

MVM GUWAHATI - 4

• **PARIKHIT UPADHAYA** selected in IIT All India Rank – 2817.
• **ANIRBAN PAUL selected** in IIT & AIEEE 5th Rank in State.
• **ARINDAM SARKAR selected** in B.Arch
• **Madhurjya Paul 99.33 %** • **Smarjit Paul 99.32%** got 1st position in group singing competition organised by Bharat Vikash Parishad.

TALENT SEARCH EXAMINATIONS

• **Rishabh Sinha** • **Jishnu Kinkar Baruah** • **Roadali Ranjan** • **Bhattacharyya** • **Shivani Mali** • **Nabanil Pathak** • **Mahadyuti D.Choudhury** • **Maharnav Borthakur** • **Antarik Chetia.**

QUIZ, CROSS WORDS, ESSAY ECT.

• **Mahadyuti D.Choudhury and** • **Tania Kashyap** got 3rd position in word Cellz (Cross Words) in School Fest organised by Basistha Army School, Guwahati.
• **Dipankar Sharma and** • **Arnav Adhikary** got 1st position in quiz competition organised by Horticulture Dept. of Assam, Khanapara.
• **Antarik Chetia and** • **Dipankar Sharma** got 1st position in Quiz Competition (Junior Section) organised by Bharat Vikash Parishad.
• **Udit Kamal Sharma and** • **Tandon Abhilash Borthakur** got 1st position in Quiz Competition (Senior Section) organised by Bharat Vikash Parishad.
• **Nandini Upadhyay** got 1st postion in Essay writing Competition organised by TATA.
• **Shivani Mali and** • **Roadali Ranjan Bhattacharyya** Selected among the best 10 in essay writing competition organised by ASEB on “Conservation of Energy”.

SINGING & ART COMPETITIONS

• **Barsha Khanikar** Selected as a regular singer of All India Radio Center, Guwahati.
• **Priyanjona Bhattacharjee** got 1st position in Solo Singing Competition in ALCHERINGA organised by IIT Guwahati.
• **Gargie Bhuyan** • **Krishna Bharadwaj** • **Swarnav Kashyap** got 1st position in group singing competition organised by Bharat Vikash Parishad.

• **Harshita Medhi** got 1st position in Art Competition organised by Arnayak on "World Environment Day"
• **Sanskriti Baruah** got 1st position in Art Competition organised by Cambridge School, Guwahati.
• **Himangshu Talukdar** selected among the 10 best drawings in the Art competition on Energy Conservation organised by Power Grid Corporation of India Guwahati zone.

We are proud of **Navarun Atrya** for his special achievement, apart from being a bright student to score more than 90 % and 85 % in Class X and Class XII examinations respectively. Navarun Atrya is the only one to represent Assam in Japan East Asia Network of "Exchange for Students and Youth Programme" conducted by Japan International Co Operation Centre from 9th June 2010 to 18th June 2010 as a member of the 4 members delegation from India.

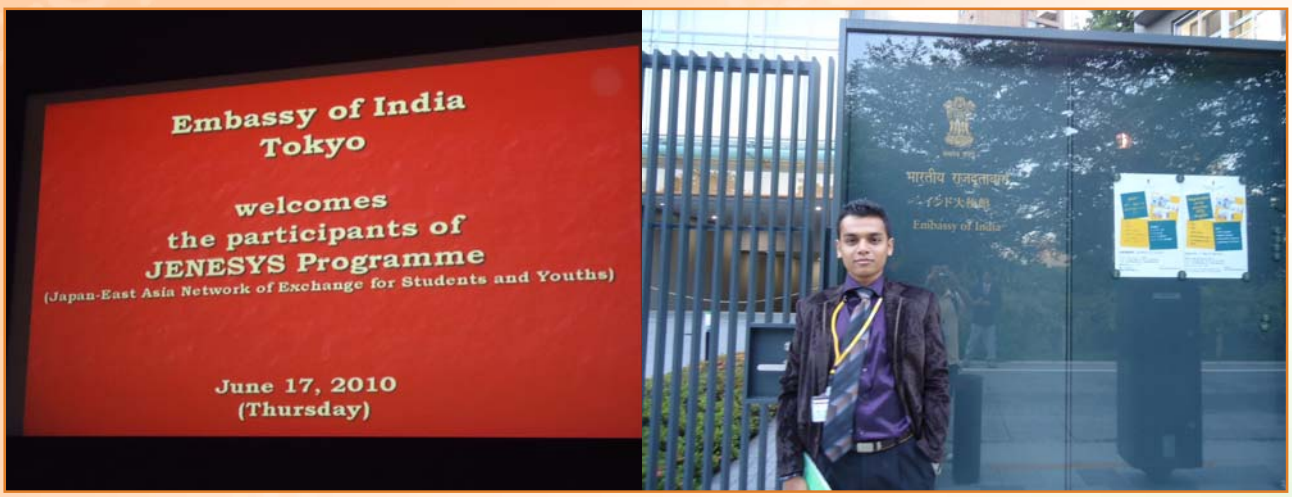

Web Site: www.maharishividyamandir.com

CELEBRATIONS

MVM MAHARISHI NAGAR

GURU PURNIMA

The pious occasion of Guru Purnima was celebrated with traditional gaiety and fervour. The programme commenced with the Guru Pujan. Prayers were offered at the lotus feet of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji, followed by Meditation.

A Cultural Programme was presented under the able guidance of Mrs. Anuradha Agasty, Miss Vinita Singh and Mr. Nityanand. Ved Geet sung by the students of class IV to class VII enthralled the audience. The enchantment of the Sanskrit Shlokas by the Choir group of class VII to class X touched the musical chords of every single person present in the gathering.

The Speeches delivered by Mrs. Neelu Singh, Mrs. Garisha Chaudhury and Mr. Ved Prakash Sharma highlighted the relevance and importance of Guru Purnima and the role of Guru in every walk of life. Beautiful dance choreographed by Mrs. Vinita Singh **'Guru Bin Gyan Nahin'** was staged in the form of musical dialogue between the two disciples of the same Guru.

Tejasvi, a student of class X, expressed his thoughts and recited a meaningful poem on **Guru**, which was appreciated by the audience.

The erudite deliberation by the Principal, **Mr. B. S Guleria** focused on the meaning of Guru and the imminent need of the students to imbibe the good qualities of teachers in their life. The Programme ended with the sweet distribution to all the students and staff.

MVM BAREILLY

• महर्षि विद्या मंदिर, बरेली में 25 जुलाई 2010 को गुरु पूर्णिमा श्रद्धा पूर्वक मनाई गयी। इस अवसर पर गुरु पूजन कर, गुरुदेव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया। इसी क्रम में विद्यालय के बच्चों ने गीत के माध्यम से वेदों का गुणगान किया तथा समस्त महर्षि परिवार ने सामूहिक ध्यान किया। विद्यालय कि प्रधानाचार्या श्रीमती रीता पाण्डेय ने गुरु की महिमा पर प्रकाश डाला तथा बच्चों को गुरुदेव द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने की शपथ दिलायी। कार्यक्रम में महर्षि विद्या मंदिर स्कूल समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश चन्द्र वर्मा जी के संदेश को पढ़कर सुनाया।

Maharishi Center for Educational Excellence

MAHARISHI TEACHER'S AWARD

Mrs. Vandana Rai TGT (Sanskrit) of MCEE has been awarded "Maharishi Teachers Award 2010" in the category of self Composed "Hindi Poem".

Web Site: www.mceeindia.com

SCIENTIFIC INFLUENCE OF DANIK VANDANA MANTRA

''कर दर्शन''

कराग्रे वसते लक्ष्मी कर मध्ये सरस्वती।
करमूले स्थितो ब्रह्मा प्रभाते करदर्शनम्।।

"KAR DARSHAN"

Karagre Vaste Laxmi Kar Madhye Sarswati |
Karmule Sthito Brahma Prabhate Kar Darshnam ||

Brahma is the sign of vacuum, every thing generates from the vacuum, so the Brahma is the generating power. **Saraswati** is the sign of complete balanced intellect. In spiritualism this is called **'Vivek'**. **Laxmi** is the sign of prosperity. Means shows the result of our performed action.

Goddess Laxmi resides in front (apical) part of our hand, Goddess Saraswati in the center and Brahma Ji resides in the root of the hand. Therefore one should always watch such pious hands.

As per scientific application, while in sleep at night, when the eyes are closed, the energy gets stored in the eyes and this stored energy liberates and gets waste, when we open our eyes. If we do Kardarshan this stored energy flows into hands and from there again into body. This is highly useful source of energy for us.

।। भूमि वन्दन।।

समुद्र वसने देवि पर्वत स्तन मण्डिते।
विष्णुपत्नी नमस्तुभ्यं पादस्पर्शं क्षमस्व मे।।

"BHUMI VANDANA"

Samudra Vasne Devi Parvat Stane Mandite |
Vishnu Patni, Namastubhyam Padsparshanam Chamasva me ||

Scientific Approaches –

While sleeping at night we lose contact with earth surface. When we wake up in the morning and get down on earth, there is union of positive and negative charge, which can cause an imbalance in our bodily energy. So when we touch the earth surface with our hands we create balance in our body.

Then we step down on our left leg, since left part of the body is negative charged and earth is also negatively charged. This strikes a balance and over comes vibration and in this state the disorder of brain waves can not takes place.

।। स्नानमन्त्र।।

गन्गे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती।
नर्मदे सिन्धु कावेरी जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु।।

"SNAN MANTRA"

Gange cha Yamune chev Godawari, Saraswati,
Narmade, Sindhu, Kaveri, Jaleasmin Sannidhim Kuru.

This mantra reveals various secrets of body. In Adhyatma seven chakras are mention in our body. Which are accepted by science and verified.

The mantras mention about 7 sacred rivers. Human body and all living creature and non living things also belong the figure of seven - like ***Sapt Rishi, Sapt Dhatu, Sapt Dhara, Sapt Loke, Sapt Samundra*** **etc.**

So while taking the bath the recitation of this mantra purifies the body, both internally and externally. (Jagat)

।। अध्ययन मन्त्र।।

सरस्वती नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणि।

विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु सर्वदा।।

"ADHYANA MANTRA"

Saraswati namastubhyam verde kamrupini |

Vidya arambham karishyami sidhirbhavtu sada ||

Scientific Application: -

In the research conducted under the guidance of Maharishi Ji, the human Physiology is made up of The Veda and Vedic Vangamaya and all the ***Devi Devatas*** of the universe reside in every individual.

Through this mantra we pray to Goddess Saraswati to gain complete knowledge.

The Scientific view point indicates that in· our brain ***Basal Ganglia, Cerebral, Cortex, Cranial Nerves and Brain Stem*** *a*re responsible for perception.

When we recite this mantra the above mentioned organs becomes fully awake and our perception ratio also increases.

We can say that through this mantra we can improve intellectual performance and ability to deal with abstract and complex.

।। नवग्रह शान्ति पाठ।।

ब्रह्मामुरारिस्त्रिपुरान्तकारी भानुः शशीभूमिसुतोबुधश्च।

गुरुश्च शुक्रः शनिराहुकेतवः सर्वेग्रहाः शान्तिकराः भवन्तु।।

"NAVGRAHA SHANTI PATH"

Brahma Muraristripurantkari, Bhanu, Shashi, Bhumisuto, Budhshach. |

Guruch, Shukra, Shani, Rahu, Ketva, Sarve Graha Shanti Kara Bhavantu. ||

The entire living organism in the universe is governed by these universal bodies. For universal counting these have been categorized as **9** ***Grahas,*** **12** ***Rashis and*** **27** ***Nakshatras***. We are influenced by their influence regularly.

Under the divine direction of Maharishi Ji, it has been discovered that like **9** ***Grahas,*** **12** ***Rashis and*** **27** ***Nakshatras*** same structural and functional units are present in our ***Brain, Cells and DNA.***

Through this mantra we make these units awake, so that they are in tune with cosmos and become orderly and can effectively bear the influence of these universal bodies.

If we want to enjoy 200% life, we need to create harmony with the nature and these mantras can help a lot to us to balance the system.

Shri Ranjan Singh Patwari
TM & Sidhi Teacher, MVM Bhopal (Ratanpur)

महर्षि ज्योतिष की दृष्टि में – अगस्त माह

अगस्त सन् 2010 का आरम्भ श्रावण कृष्ण षष्ठी, रविवार से होगा तथा इस माह का अन्तिम दिवस भाद्रपद कृष्ण पक्ष षष्ठी मंगलवार को होगा। पूरा अगस्त मास वर्षा ऋतु के अन्तर्गत है। श्रावण मास सम्पूर्ण रूप से देवाधिदेव महादेव की उपासना के लिये समर्पित है। भगवान शिव के मन्दिरों में सर्वत्र रुद्राभिषेक का आयोजन होगा। भक्तगण श्रावण के प्रत्येक सोमवार को व्रत रखते हैं, और प्रदोष काल में पूजन एवं रुद्राभिषेक का आयोजन भी करते हैं। सूर्यास्त के पश्चात 48 मिनट के समय को प्रदोष काल कहते हैं। अगस्त माह में पड़ने वाली अन्य उल्लेखनीय विशिष्ट तिथियों में 10 अगस्त को भौमवती अमावस्या है जिसके बारे में कहा जाता है कि यदि अमावस्या के दिन मंगलवार पड़े तो उस दिन गंगास्नान करने से करोड़ों सूर्य ग्रहण में स्नान करने के समान फल मिलता है।

14 अगस्त को श्री नागपंचमी का त्यौहार सर्वत्र मनाया जायेगा। 15 अगस्त का 64 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह होगा। 16 अगस्त को श्री रामचरित मानस के रचयिता सन्तशिरोमणि श्री गोस्वामी तुलसी दास जी की जयन्ती है। 24 अगस्त को ही रक्षा बंधन, संस्कृत दिवस तथा शुक्ल यजुर्वेद के काण्व व माध्यान्दिनी शाखा और कृष्ण यजुर्वेद के आपस्तम्ब व तैत्तिरीय शाखा वालों के लिये उपाकर्म श्रावणी होगा।

25 अगस्त को, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय (म.प्र.) एवं महर्षि युनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नालॉजी, छत्तीसगढ़ के कुलाधिपति तथा महर्षि विश्व शांति आन्दोलन, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह, महर्षि इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट समूह और महर्षि इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्फारमेशन टेक्नालॉजी के अध्यक्ष पद को सुशोभित करने वाले आदरणीय ब्रह्मचारी गिरीश जी का जन्म दिवस समारोह मनाया जायेगा।

26 अगस्त को भीमचण्डी देवी की जयन्ती तथा प्रसिद्ध विन्ध्यवासिनी देवी के मन्दिर का स्थापना दिवस है। 30 अगस्त को बलराम जी का जन्म दिन 'हलषष्ठी व्रत' (ललही छठ) के रूप में मनाया जायेगा।

31 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या के रूप में देखा जायेगा। भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी व्रत 1 सितम्बर को होगा। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि शिव, विष्णु, ब्रह्म, अग्नि भविष्यादि पुराणों के अनुसार यह व्रत भाद्रपद कृष्ण अष्टमी को किया जाता है। भगवान श्री कृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण अष्टमी बुधवार को रोहिणी नक्षत्र में अर्धरात्रि के समय वृष के चन्द्रमा में हुआ था। इस वर्ष 1 सितम्बर बुधवार को वे सभी योग है, जैसे भगवान श्री कृष्ण के जन्म दिवस के दिन थे। अतः यह जन्माष्टमी व्रतकर्ता के लिये विशेष फलदायनी सिद्ध होगी।

अगस्त माह में पड़ने वाले व्रत पर्व त्यौहारों की सूची

क्रमांक	व्रत–पर्व–त्यौहार	मास	पक्ष	तिथि	दिनाँक
1.	श्री श्रावण सोमवार व्रत	श्रावण	कृष्ण	द्वितीया	2.08.2010
2.	श्री कामदा एकादशी व्रत	श्रावण	कृष्ण	एकादशी	6.08.2010
3.	श्री शनि प्रदोष द्वादशी	श्रावण	कृष्ण	द्वादशी	7.08.2010
4.	श्री श्रावण सोमवार व्रत	श्रावण	कृष्ण	चतुर्थी	9.08.2010

5.	श्री भौमवती अमावस्या	श्रावण	कृष्ण	अमावस्या	10.08.2010
6.	श्री दूर्वा गणपति व्रत	श्रावण	शुक्ल	चतुर्थी	13.08.2010
7.	श्री नागपंचमी	श्रावण	शुक्ल	पंचमी	14.08.2010
8.	स्वतंत्रता दिवस	श्रावण	शुक्ल	षष्ठी	15.08.2010
9.	श्री श्रावण सोमवार व्रत	श्रावण	शुक्ल	सप्तमी	16.08.2010
10.	श्री गोस्वामी तुलसीदास जयंती	श्रावण	शुक्ल	सप्तमी	16.08.2010
11.	श्री पुत्रदा एकादशी व्रत	श्रावण	शुक्ल	एकादशी	20.08.2010
12.	श्री श्रावण सोमवार व्रत	श्रावण	शुक्ल	चतुर्दशी	23.08.2010
13.	श्री रक्षाबंधन	श्रावण	शुक्ल	पूर्णिमा	24.08.2010
14.	उपाकर्म (श्रावणी)	श्रावण	शुक्ल	पूर्णिमा	24.08.2010
15.	विन्ध्याचली देवी जयन्ती	भाद्रपद	कृष्ण	द्वितिया	26.08.2010
16.	कज्जली तृतीया	भाद्रपद	कृष्ण	तृतीया	27.08.2010
17.	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी	भाद्रपद	कृष्ण	चतुर्थी	28.08.2010
18.	हल षष्ठी व्रत	भाद्रपद	कृष्ण	षष्ठी	30.08.2010
19.	सन्ध्या श्री कृष्ण जन्माष्टमी	भाद्रपद	कृष्ण	सप्तमी	31.08.2010

पंचक विचार– इस माह में 24.08.2010 दिन में 7:39 से पंचक का आरम्भ होगा तथा 29.08.2010 को प्रातः 6:30 बजे समाप्त होगा।

मास प्रभाव– इस माह में शिव उपासना एवं श्री कृष्ण संकीर्तनादि से सत्व वृद्धि होगी। अच्छी वर्षा के भी योग हैं। ध्यान–सिद्धि कार्यक्रमों से वातावरण की शुद्धता में आशातीत बढ़ोत्तरी होगी।

जय गुरु देव, जय महर्षि

पंडित विजय द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य

Veda Series

श्री कृष्ण गोविन्द

श्री कृष्ण गोविन्द हरे मुरारे

Shri Krishna Govind Hare Murare

Lord Shri Krishna has given the total knowledge of life and enlightenment to mankind through Shri Bhagvad Geeta As the eight incarnation of Lord Vishnu, he embodies the supreme administering power of the universe. The Itih and Pur of the Vedic Literature provide an eternal record of the divine life of Shri Krishna, revealing how his every thought, word and action serve to eliminate negativity, promote evolution and restore Dharma in world consciousness.

Shri Krishna govind hare murare is one of the most revered shlokas sung by devotees of Lord Krishna throughout the world. This shloka is sung as a bhajan in various traditional tunes or compositions.

Listening to this bhajan in praise of Lord Krishna fills the heart with bliss, balances the nervous system and brings peace and contentment to the mind.

The most familiar traditional composition is used for this recording. This recording may be played at any time of the day or night and on any day of the week.

Vedic Arts & Crafts Promotions
A-116, Defence Colony, New Delhi-110 024
• **Phone:** 011-24332207 • **Fax:** 011-24332206
• Website: www.vedic-arts.com • E-mail: vedicarts@mahaemail.com

Veda Series
Village-Chhan, Bhojpur Temple Road, Post-Misrod,
Distt.-Bhopal (M.P.) 462 047 INDIA
• **Phone:** 0755-4087351 • **Fax:** 0755-4087311
Website: www.vedaseries.com • E-mail: edaseries@mahaemail.com

Maharishi Movement Global News

India: Large network of colleges and universities established, all students practicing Transcendental Meditation

Under the guidance of Maharishi Mahesh Yogi and the leadership of Dr Girish Varma, a large network of colleges and universities, with all students practicing Transcendental Meditation, has been established in India. This network includes Maharishi Mahesh Yogi Vedic University, Maharishi Mahesh Yogi University of Management and Technology, Maharishi Colleges, and Maharishi Institute of Management.

United Kingdom: Maharishi European Sidhaland celebrates 30th anniversary

At the end of August, celebrations will honour the 30th anniversary of a community in Skelmersdale, Lancashire, England, whose residents include over 300 practitioners of Maharishi's Transcendental Meditation and Transcendental Meditation Sidhi Programme, including Yogic Flying. Established in 1980, the community was named the Maharishi European Sidhaland by Maharishi Mahesh Yogi. Guests come from many European countries to attend World Peace Assemblies, Invincibility Assemblies, and other courses to create coherence in collective consciousness.

Tour for Consciousness-Based Education, Maharishi Ayur-Veda health care inspires Canadians

Leaders of the Global Country of World Peace recently completed a two-phase tour of Canada, which inspired people all over the country about Maharishi Mahesh Yogi's programmes, especially in education and health care. Many also took advantage of the opportunity to have Maharishi Ayur-Veda health consultations.

Canada: First Nations leaders present Maharishi Mahesh Yogi's health programmes at conferences

First Nations leaders are presenting the programmes of Maharishi Mahesh Yogi at a series of First Nations conferences this year, joined by leaders of the Global Country of World Peace. Participants are especially interested in beneficial effects of the Transcendental Meditation Programme for health, including decreased stress and reduction of diabetes symptoms.

The importance of peace: An interview with Sheryl Crow

A news post and video interview featured on the official US Transcendental Meditation website presents singer Sheryl Crow, who performed at the historic 2009 'Change Begins Within' benefit concert for the David Lynch Foundation. Ms Crow talks about tapping into the peace within all of us, and how Transcendental Meditation can help children deal with the enormous stress they experience as they are growing up.

Veterans practicing Transcendental Meditation find reduced PTSD symptoms

Writing on the official Transcendental Meditation website in the United States, Gina Orange, a teacher of Transcendental Meditation, comments on the benefits of the technique for post traumatic stress disorder (PTSD),

currently being explored in a new research study. A video presents the experience of a young American soldier who found that Transcendental Meditation helped with PTSD following his service in Iraq.

New book released - *Super Healthy Kids: A Parent's Guide to Maharishi Ayurveda* - MUM hosts book signing

The first book on Maharishi Ayurveda health care and children—*Super Healthy Kids: A Parent's Guide to Maharishi Ayurveda*—was released this past weekend. Written by Kumuda Reddy, MD, and award-winning writer Linda Egenes, it presents time-tested wisdom and natural approaches that offer surprisingly effective solutions to children's health problems today—from ADHD to obesity—without negative side effects. Maharishi University of Management will host a book signing with co-author Egenes on Monday, 26 July.

Holland: Maharishi Gandharva Veda Festival for World Peace: Evening celebration 24-25 July in MERU, Holland

22 July 2010 - The first Maharishi Gandharva Veda Festival for World Peace, featuring two special evening concerts, will be held in MERU, Holland, during the global celebration of Guru Purnima on 24 and 25 July. Internationally renowned Gandharva Veda musicians will perform, and each evening will culminate with Maharishi Vedic Pandits performing special Vedic recitations for world peace. The concerts will take place in the beautiful gardens of Maharishi Mahesh Yogi's Peace Palace.

How does stress impact a child's brain? An interview with Dr William Stixrud

19 July 2010 - In a the first of a series of video interviews to be featured on the official Transcendental Meditation website, Dr William Stixrud, a leading neuropsychologist in Washington, DC, USA, speaks about the impact of stress, substance abuse, and sleep deprivation on a child's developing brain.

Maharishi University of Management: Mature students discover new skills and 'a broader range of self-awareness'

In a recent video interview, three mature students describe their experiences at Maharishi University of Management in Fairfield, Iowa, USA. They enjoy not only the 'energy, impetus, and motivation' of being with younger students—and new skills and knowledge they're gaining in degree programmes such as Sustainable Living and Communications and Media—but 'that knowledge of yourself', 'a broader range of self-awareness' through their daily practice of Transcendental Meditation. 'It's always there, wherever you go it's with you,' says one student, a mother of grown children.

ABC *Nightline* TV broadcast: Transcendental Meditation thrives in Iowa, USA

The peaceful communities of Transcendental Meditation practitioners in Fairfield and Maharishi Vedic City, Iowa, USA were featured on 5 July on the ABC *Nightline* television broadcast at 11:35 pm (US ET). Members of these communities discuss why they are an ideal place to live and raise children—including stress-free education, harmony-promoting Vedic Architecture, organic agriculture, and ancient natural health care through Ayur-Veda.

महर्षि ने बनाया वैदिक ज्ञान को विश्वव्यापी : रोहाणी

महर्षि महेश योगी वैदिक विवि के प्रथम दीक्षांत समारोह का आयोजन

राज एक्सप्रेस, जबलपुर, 26/07/10

इन्हें प्रदान की गई उपाधि और स्वर्ण पदक

स्मारिका का विमोचन

नवभारत, 26/07/2010

महर्षि जी ने वैदिक ज्ञान को विश्वव्यापी बनाया - रोहाणी

वैदिक विश्वविद्यालय करौंदी में प्रथम दीक्षांत समारोह, भारतीय परिधान में उपाधियों से हुए विभूषित

The Hitavada Jabalpur

The Hitavada dt July 26-2010

MMYVV holds first convocation ceremony on *Guru Poornima*

Staff Reporter

MAHARISHI Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya (MMYVV) organised its first convocation on the occasion of Shri Guru Poornima at Karondi, Sihora, on Sunday. Chancellor of MMYVV Dr Girish Chandra Verma, chief guest, Speaker of State Assembly Ishwardas Rohani and special guests including Veterinary Minister Ajay Vishnoi, former Minister Moti Kashyap, Mukesh Nayek, Chancellor, Professor Bhuvnesh Sharma and Registrar Arvind Singh Rajput offered prayers with vedic rituals.

Students attired in traditional dresses were felicitated with awards amidst chanting of Vedic hymns. Thirty-nine Ph Ds were awarded under Ved Science for year 2000-2009 whereas, 29 meritorious students were awarded with gold medals for year 2004-2009.

MMYVV Chancellor Dr Girish Chandra Verma presenting a momento to a participant.

In his speech, Chancellor Dr Verma highlighted the concept and objectives of Maharishi Mahesh Yogi for establishing the university at the geographical centre of India. Pledging to spread Vedic knowledge across the globe, Dr Verma said that Guru is considered as a part of God in Sanatan Parampara. With same thinking, first convocation of the university was organised on the auspicious occasion of Guru Poornima.

Rohani said that Indian culture would always remain grateful to Maharishi Mahesh Yogi for spreading Vedic knowledge throughout the world. He appealed to the students to further enlighten the world with the knowledge they are obtaining at Sadhana Sthal of Maharishi.

Former Minister Moti Kashyap and Registrar Arvind Rajput also

(Contd on page 3)

20 नईदुनिया जबलपुर सिटी
जबलपुर, सोमवार 26 जुलाई 2010

जबलपुर महानगर

वैदिक विश्वविद्यालय करौंदी में प्रथम दीक्षांत समारोह

वेदध्वनि के बीच उपाधि भूषित हुए छात्र

भारतीय परिधान में उपाधियों से किया गया विभूषित

- समारोह में दिखी भारतीय गुरुकुल की आभा
- गीता पंडित के गायन ने बांधा समां

जबलपुर। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय में आयोजित प्रथम दीक्षांत समारोह वैदिक मंत्रो की ध्वनियों से गुंजायमान रहा। पश्चिमी सभ्यता से कोसो दूर पूरी तरह भारतीय परिधान से सुसज्जित छात्र-छात्राओं को उपाधियों से विभूषित करने का क्रम जब शुरू हुआ तो समारोह भारतीय संस्कृति के गुरुकुल की विलक्षण आभा से जगमगा उठा। समारोह में वर्ष 2000 से 2009 तक वेद विज्ञान के अंतर्गत 39 विद्या वारिधी(पी.एच.ई.) उपाधि तथा वर्ष 2004 से 2009 तक के सर्वोत्कृष्ट उत्तीर्ण प्रावीण्य 29 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक

[illegible]

सिटी activities

दैनिक भास्कर, जबलपुर, 26/07/2010

दैनिक भास्कर 26-7-10

दीक्षांत समारोह में 39 विद्यार्थियों को पीएचडी व 29 को स्वर्ण पदक प्रदान किए

गुरुओं की सेवा ही हमारा धर्म

सिटी रिपोर्टर | जबलपुर

[illegible]

समारोह में छाई रही भारतीय संस्कृति

[illegible]

अपनी संस्कृति को सहेजे

[illegible]

शिक्षकों को किया गया सम्मानित

[illegible]

महर्षि ने वैदिक ज्ञान को विश्वव्यापी बनाया

महर्षि महेशयोगी वैदिक विश्व विद्यालय करौंदी में प्रथम दीक्षांत समारोह

जबलपुर, देशबन्धु।

भारतवर्ष के भौगोलिक केन्द्र बिन्दु करौंदी (सिहोरा) में आज महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह भव्यता के साथ मनाया गया। वेदध्वनि के बीच भारतीय परिधानों में सजे छात्र-छात्राओं को उपाधियों से विभूषित किया गया। इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. गिरीशचंद वर्मा, मुख्य अतिथ म.प्र. विधानसभा ईश्वरदास रोहाणी, विशिष्ट अतिथि प्रदेश के पशुपालन मंत्री अजय विश्नोई, पूर्व मंत्री मोती कश्यप एवं मुकेश नायक, कुलपति प्रो. भुपनेश शर्मा, कुल सचिव अरविंद सिंह राजपूत ने वैदिक विधि से पूजन सम्पन्न कर गुरूवंदना की यहां वर्ष २०००से २००९ तक वेद विज्ञान के अंतर्गत ३९ विद्यावारिधी (पी.एच.ई.) उपाधि एवं वर्ष २००९ तक के सर्वोत्कृष्ट उत्तीर्ण प्रावीण्य २९ छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक से नवाजा गया। अपने उदबोधन में वैदिक वि.वि. के कुलाधिपति डॉ. गिरीशचंद वर्मा ने महर्षि महेश योगी द्वारा भारत के भौगोलिक केन्द्र में बनाये गये वैदिक वि.वि.की परिकल्पना एवं उददेश्यों पर प्रकाश डाला उन्होने वेद ज्ञान की पताका को संपूर्ण विश्व में फहराने का संकल्प व्यक्त किया गुरू महिमा पर उन्होंने कहा कि गुरू को सनातन परम्परा में ईश्वर तुल्य माना गया है। इसी उददेश्य से यह प्रथम दीक्षांत सामारोह गुरू पूर्णिमा पर्व पर आयोजित किया गया है मुख्य अतिथि म.प्र. विधानसभा अध्यक्ष ई.श्वर दास रोहाणी ने कहा कि हमारी संस्कृति महर्षि महेश योगी की ऋणी है जिन्होंने वैदिक ज्ञान को विश्वव्यापी बनाया। उन्होंने छात्रों से अनुरोध किया कि साधना स्थली में जो ज्ञान प्राप्त करें, उसे विश्व में प्रसारित करें प्रदेश के केबिनेट मंत्री अजय विश्नोई ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में यह पहला अनुभव किया है जब दुनिया पश्चिमी सभ्यता के पीछे भाग रहीं है तब वैदिक ज्ञान के इस केन्द्र द्वारा सनातन धर्म के प्रचार प्रसार एवं वेदों के ज्ञान के प्रकाश से वातावरण प्रकाशमान हो रहा है पूर्व मंत्री मोती कश्यप ने संस्था क्षेत्र के विधयाक होने के नाते अपने स्तर स हर संभव सहायता देने का वादा किया। मुकेश नायक ने कहा कि महर्षि जी के योग्य उत्तरधिकारी डॉ. गिरीश वर्मा ने वेद ज्ञान के साथ ही परम्पराओं का निर्वाह किया है कार्यक्रम में उपस्थित कुलसचिव अरविंद राजपूत ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। स्मारिका का विमोचन अतिथियों ने किया । सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत दोपहर बाद सुप्रसिद्ध गायिका मीता पंडित ने गायन पेश किया आभार प्रदर्शन अरविंद सिंह राजपूत ने किया।

देशबन्धु, जबलपुर, 26/07/2010

वैदिक ज्ञान को बनाया विश्वव्यापी

जबलपुर। करौंदी सिहोरा में महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह मनाया गया। इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. गिरीशचंद्र वर्मा, मुख्य अतिथि मप्र विधानसभा अध्यक्ष ईश्वरदास रोहाणी, विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री अजय विश्नोई, पूर्व मंत्री मोती कश्यप, मुकेश नायक, कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा, कुलसचिव अरविंद सिंह राजपूत ने वैदिक विधि-विधान से गुरु वंदना की। दीक्षांत समारोह में वेद विज्ञान के 39 विद्यावारिधी (पीएचई) उपाधि एवं 29 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक से नवाजा गया।

वैदिक विश्वविद्यालय करौंदी में प्रथम दीक्षांत समारोह

इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. गिरीशचंद्र शर्मा ने वैदिक विधि की परिकल्पना एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु को सनातनी परम्परा में ईश्वर तुल्य माना गया है। इसी उद्देश्य से यह प्रथम दीक्षांत समारोह गुरु पूर्णिमा पर्व पर आयोजित किया गया है। विस अध्यक्ष ने कहा कि हमारी संस्कृति महर्षि योगी की ऋणी है, जिन्होंने वैदिक ज्ञान को विश्वव्यापी बनाया। श्री विश्नोई ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में यह पहला अनुभव किया है कि जब दुनिया पश्चिमी सभ्यता के पीछे भाग रही है, तब वैदिक ज्ञान के इस केन्द्र द्वारा सनातनी धर्म के प्रचार-प्रसार एवं वेदों के ज्ञान प्रकाश की अलख जगाई जा रही है। श्री कश्यप ने संस्था प्रमुख क्षेत्र के विधायक होने के नाते अपने स्तर पर हर संभव सहायता देने का वादा किया। श्री नायक ने कहा कि महर्षि के योग्य उत्तराधिकारी डॉ. गिरीश वर्मा ने वेद ज्ञान के साथ ही परम्पराओं का निर्वाह किया है। कार्यक्रम में उपस्थित कुलसचिव अरविंद राजपूत ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

हरिभूमि - 26/07/2010

E-Gyan Monthly News Letter

Reminder

Dear Readers,

I am happy to release this 14th edition of E-Gyan Monthly Digital News Letter. Previous editions of E-Gyan have been published and circulated amongst you. In every edition of E-Gyan I am requesting you to send news from your relevant field. But we are not receiving enough news. Please start sending the news in either Hindi or English. **E-Gyan Monthly News Letter** will be released in the first week of every calendar month. E-Gyan matter must be received by 15th of every month.

E-Gyan Monthly Digital News Letter will be circulated to all members, employees, well wishers and students of all Maharishi Organizations in India and also to millions of Meditators, Sidhas, Governors, leaders and devotees of Maharishi Global Organisations around the Globe.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
3. Present student strength course wise, subject wise, class wise, branch wise in different Maharishi Educational Institutions.
4. Announcement of any new course offering and its schedule with course details and venue.
5. Starting of new building construction, report on Bhumi pujan or vastu pujan or foundation stone ceremony.
6. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
7. Special achievement of any Maharishi Organisation.
8. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
9. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
10. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
11. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/ corporations.
12. Outstanding performance of ex-students.
13. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or Organisation.
14. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, website.
15. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
16. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
17. Launching of new product with details, availability, and price.
18. Details of products already in market.
19. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.

20. Offering Vedic solution to any social problem.
21. Performance of any special Anushthan or Yagyas.
22. Vedic celebration reports.
23. Excursion tour reports.
24. Corporate visit, corporate training etc.
25. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
26. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
27. Report on academic or commercial collaborations.
28. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
29. Report on monthly Initiations in TM, Sidhi course and Advance Techniques.
30. Report on activities of Maharishi Global Movement.
31. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, leaders, members, faculty, staff, students, meditators, Sidhas and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through email **(egyan@mahaemail.com and egyanmonthly@gmail.com)** as word document file (or in a CD to Dr. T. C. Pathak, Maharishi Centre for Educational Excellence Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462018). Hard copy should be neatly typed ("Times New Roman" font for English and "Devnagri" or "Chanakya" font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers.

Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports. Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit www.e-gyan.net web site.

With All the Best Wishes in Maharishi's Third Year of Invincibility - Global Ram Raj.

Jai Guru Dev, Jai Maharishi

Dr. T.C. Pathak
For Editorial Board, E-Gyan Newsletter

Copyright © 2010 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan
All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of ***Maharishi Ved Vigyan Prakashan.***
Maharishi Ved Vigyan Prakashan, *Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh,* ***Phone:*** *+91 755 4087351*